

माई गुना वाली के भवन

मन करे मोरा जाऊ माई के भवन मोरे हो ,
गुना वाली की शरण किये मन को मग्न कर दू,
माई गुना वाली के भवन में बेठी रहू दोनों त्र जोड,
माई संतोषी रानी शरण में बेठी रहू दोनों तर जोड,

हम ने सुना है माई तोरे दर पे मिलते है सुख सारे,
जो भी तुम्हारी शरण माँ आये नैया पार लगा दे,
तिन करू करू जोड
माई गुना वाली के भवन में बेठी रहू दोनों त्र जोड,
माई संतोषी रानी शरण में बेठी रहू दोनों तर जोड,

गुना में विराजे माई माई संतोषी,
कैसे इसकी महिमा बखानू,
कैसे करू टोरी पूजा भवानी,
विधि विधान ना जानू,जाऊ बहियाँ न छोड़,
माई गुना वाली के भवन में बेठी रहू दोनों त्र जोड,
माई संतोषी रानी शरण में बेठी रहू दोनों तर जोड,

सर्वसुखो की खान भवानी सब कुछ देने वाली
तुम्हरी शरण जो आये संतोषी जाए कभी भी न खाली,
गुण गाऊ तेरा बोल,
माई गुना वाली के भवन में बेठी रहू दोनों त्र जोड,
माई संतोषी रानी शरण में बेठी रहू दोनों तर जोड,

शुकर वार दिन प्रिये तुम्हारो मन के तुम्हे भावे,
पूजा करे नर नार तुम्हारी मन चाहा फल वो पावे,
शंकर कहे तोरे बोल
माई गुना वाली के भवन में बेठी रहू दोनों त्र जोड,
माई संतोषी रानी शरण में बेठी रहू दोनों तर जोड,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16102/title/mai-guna-vaali-ke-bhawan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |